हरिभूमि
# रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 27 अप्रैल 2026

तापमान
अधिकतम 43 .4 डिग्री
न्यूनतम 26 .5 डिग्री

11 सहादत नगर में विवाह समारोह में पहुंचे रोहतक लोकसभा सांसद

12 तपती झुलसाती गर्मी ने सताया, रविवार सीजन का सबसे गर्म दिन

Tunwal
अब भविष्य को दिजिए इलेक्ट्रिक रफ्तार !
सुरक्षा, सुविधा, सेविंग्स
450+ Dealers Pan India
आपकी फैमिली का एक नया सदस्य
Tunwal E-Scooters
SCAN QR
12 साल से आपके भरोसे की सवारी........
Term & Condition Applied
To know more details about Tunwal:
www.tunwal.com | info@tunwal.com
7680/4, Delhi Road, Opp. Ghisa ki Dhani, Rewari-123401
For Dealership Enquiry:
+91 7087665524, 8685809555



## खबर संक्षेप

### सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

**रेवाड़ी।** सदर थाना पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद गत 14 अप्रैल को केस दर्ज किया था। सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। वाहन चालक हादसे के बाद फरार हो गया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने परखोत्तमपुर निवासी कृष्ण कुमार को गिरफ्तार कर लिया। उसका वाहन भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। आरोपी को तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

### धोखाधड़ी मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

**रेवाड़ी।** थाना धारूहेड़ा पुलिस ने लगभग 5 साल पहले दर्ज किए गए धोखाधड़ी मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर पुलिस ने 20 जून 2021 को विभिन्न धाराओं के तहत धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा ने की थी। इस मामले में एक आरोपी नूंह के गांव बादली निवासी सरीफ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उसे सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

### युवक पर हमला करने का आरोपी धरा

**कुंड।** थाना खोल पुलिस ने मंदोला में युवक पर धारदार हथियार से हमला करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस बयान में मंदोला निवासी युवक ने गांव के ही कंवरपाल पर फसल काटने वाली बांकड़ी से उस समय हमला करने का आरोप लगाया था, जब वह शादी समारोह में भाग लेने के बाद अपने घर लौट रहा था। पुलिस ने उसके बयान पर 20 अप्रैल को केस दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी कंवरपाल को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

### मारपीट मामले के दो आरोपी गिरफ्तार

**खोरी।** थाना खोल पुलिस ने आलियावास गांव में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मारपीट में घायल व्यक्ति के बयान पर 28 फरवरी को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में आलियावास निवासी महेंद्र और विजय को गिरफ्तार कर लिया। तफ्तीश में शामिल करने के बाद दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

### नशीला पदार्थ गांजा सहित एक गिरफ्तार

**डहीना।** पुलिस चौकी स्टाफ ने गांव में गांजा बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि डहीना निवासी ताराचंद नशीला पदार्थ बेचता है। वह नशीला पदार्थ बेचने के लिए किसी के आने का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर आरोपी को काबू कर लिया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में उसकी तलाशी, तो आरोपी के कब्जे से 400 ग्राम गांजा बरामद हुआ। उसे गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया।

*नगर परिषद में चौदह महीने से खड़ी ट्रीमिंग मशीन का नहीं हो रहा इस्तेमाल*

# शहर की सड़कों पर लटक रही पेड़ों की टहनियां ट्रैफिक के बीच हादसा होने का लोगों में बना डर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गर्मी के मौसम में अंधड़ चलने से बिजली के पोल व पेड़ों के गिरने का खतरा बना रहता है। आंधी चलने से पेड़ों के बीच से गुजरी रही बिजली की लाइनों के आपस में सम्पर्क में आने से फाल्ट होने समस्या ज्यादा बढ़ जाती है। फाल्ट होने पर बिजली निगम के कर्मचारियों को इसे ढूंढने में काफी मशक्कत करनी पड़ी है। भीषण गर्मी में फाल्ट के कारण बिजली भी गुल रहने ने लोगों के पसीने छूट जाते है। बरसात आने पर गीले पेड़ों के बिजली लाइनों के संपर्क में आने से करंट प्रवाहित होकर हादसे होने की संभावना भी बढ़ जाती हैं। हालांकि बिजली निगम की ओर से पिछले दिनों शहर में नए पोल लगाने के साथ तार भी बदले गए है, लेकिन अभी भी शहर की ज्यादातर सड़कों पर बिजली के पोल व तार पेड़ों के बीच उलझे हुए है। शहर के मुख्य मार्गो व कॉलोनियों में काफी पेड़ों की भारी-भरकम टहनियां सड़कों पर झुकी हुई है। स्ट्रीट लाइटें तक टहनियों से घिरी होने के कारण सड़क तक प्रकाश नहीं पहुंचा पा रही है। यहां तक की सड़कों पर काफी पेड़ सूखे खड़े हुए है। अंधड चलने से सुखे पेड़ सड़कों पर गिरकर यातायात बाधित करने के साथ हादसों को भी अंजाम दे सकते है। वही सड़कों पर झुकी पेड़ों की टहनियां भी हादसे का कारण बन सकती है।

रेवाड़ी। सचिवालय रोड पर झुके दोनों तरफ के पेड़। फोटो : हरिभूमि





रेवाड़ी। नगर परिषद कार्यालय के पास बिजली के तारों पर लटकती पेड़ की टहनियां।

### बिजली लाइनों को बना हुआ खतरा

सड़कों के किनारे लगभग सभी रोड के समानांतर बिजली की लाइनें गुजर रही हैं। इन लाइनों से पेड़ों की टहनियां सटी हुई हैं। कई जगह पर तो लाइनों के सभी तार पेड़ों के बीच से गुजर रहे हैं, जिससे अंधड चलने से फाल्ट हो सकते हैं। शहर में जितने भी बिना नंबर के पेड़ है, वह सब नगर परिषद के अधीन आते है। इनकी कटाई-छंटाई का कार्य नगर परिषद को कराना होता है। नगर परिषद को ट्रीमिंग मशीन मिलने के बाद भी पेड़ों की कटाई-छंटाई नहीं की जा रही है। शहर में महाराणा प्रताप चौक से अनाजमंडी रोड, सचिवालय रोड, पुराना हाउसिंग बोर्ड रोड, नगर परिषर कार्यालय के पास, सेक्टर-1 व सरकुलर रोड सहित कई स्थानों पर काफी पेड़ गिरने के कगार पर है या फिर पेड़ों की टहनियां सड़कों पर लटक रही है।

### नगर परिषद नहीं कर रही ट्रीमिंग मशीन का यूज

शहर में पेड़ों की कटाई-छंटाई के लिए नगर परिषद की ओर से फरवरी 2025 में करीब 38 लाख कीमत की स्काई लिफ्ट ट्री मेंटेनेंस मशीन खरीदी गई थी, लेकिन ट्रीमिंग मशीन का चौदह महीने में मामूली यूज हुआ है। अब कई महीनों से सफाई शाखा कार्यालय में खड़ी ट्रीमिंग मशीन शो-पीस बनी हुई है। नगर परिषद की ओर से मशीन का इस्तेमाल तक नहीं किया जा रहा है, जबकि लोगों को हादसे से बचाने के लिए मशीन से पेड़ों की छंटाई की जा सकती हैं। वर्तमान में शहर की सड़कों पर काफी पेड़ों की टहनियां लटकी रही है।



रेवाड़ी। सफाई शाखा कार्यालय में खड़ी ट्रीमिंग मशीन। फोटो : हरिभूमि

## ट्रांसफार्मर की चिंगारी से लगी आग में ईंधन जला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

भाकली के बूस्टिंग स्टेशन के पास लगे ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी से पास पड़े इंधन में आग लग गई। फायर ब्रिगेड ने मौके पर जाकर आग पर काबू पाया। बूस्टिंग स्टेशन के पास एक बिजली ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। ट्रांसफार्मर के पास ही ग्रामीणों का इंधन पड़ा हुआ है। चिंगारी निकलने के बाद इंधन में आग लग गई। लोगों ने सूचना देकर बिजली बंद कराई। इसके बाद आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंच गई। आग पर जल्द काबू पाए जाने से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। निगम कर्मचारियों ने बाद में फॉल्ट ठीक करते हुए ट्रांसफार्मर को चालू किया। मालियाकी गांव में भी अचानक आग लगने से कई ग्रामीणों का रंधन जलकर राख हो गया। गांव के बाहरी हिस्से में ग्रामीणों ने इंधन व लकड़ियां डाली हुई हैं। अज्ञात कारणों के चलते इंधन में अचानक आ गई। ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर जाकर आग पर काबू पाया। पांच लोगों का इंधन आग की भेंट चढ़ गया। सूचना मिलने के बाद रोहड़ाई थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

रेवाड़ी। चिंगारी से इंधन में लगी आग।

## बकरी फार्म में भीषण आग दर्जनों बकरियां जिंदा जली





रेवाड़ी। नांगल मूंदी बस स्टैंड के पास आग में जली बकरियां, नांगल मूंदी बस स्टैंड के पास लगी आग बुझाते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नांगल मूंदी बस स्टैंड के पास बने एक बकरी फार्म में रविवार दोपहर लगी भीषण आग में 100 से अधिक बकरियां जिंदा जल गईं। दर्जनों बकरियां आग की चपेट में आकर झुलस गर्ड़ं। फायर ब्रिगेड ने मौके पर जाकर आग पर काबू पाया। थाना खोल पुलिस ने आगजनी के कारणों की जांच शुरू कर दी। भठेड़ा निवासी कुलजीत यादव ने बस स्टैंड के पास ही बकरी फार्म किया हुआ है। बकरी फार्म में लगभग 250 बकरियां बंधी हुई थीं। दोपहर के समय फार्म में अचानक आग लग गई। फार्म मालिक किसी काम से बाहर गया हुआ था। आसपास के लोगों ने फार्म से धुआं उठता देखा तो पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। बस स्टैंड से बड़ी संख्या में लोग आग बुझाने के लिए पहुंच गए। इसी दौरान फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई। काफी देर बाद आग पर पाया गया, परंतु तब तक लगभग 125 बकरियां आग की भेंट चढ़ चुकी थीं। शेष बकरियों को फायर ब्रिगेड ने बचा लिया। कई बकरियां बुरी तरह झुलस गईं, जिनका उपचार कराया जा रहा है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका था। पुलिस आगजनी के कारणों का पता लगाने के प्रयास कर रही है।

## कबाड़ में लगी आग से हड़कंप फायर ब्रिगेड ने पाया काबू



रेवाड़ी। कबाड़ में लगी आग को बुझाते दमकलकर्मी। फोटो : हरिभूमि

*रेवाड़ी। रामगढ़ रोड पर झुग्गियों के पास पड़े कबाड़ में रविवार सुबह आग लगने से आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। जल्द काबू पाए जाने के कारण आग झुग्गियों तक नहीं पहुंची, जिससे बड़ा नुकसान होने से बच गया। गांव रामगढ़ की ओर जाने वाली सड़क पर कई लोग झुग्गियां डालकर रह रहे हैं। यह लोग कूड़े से कबाड़ एकत्रित करने का कार्य करते हैं। कबाड़ को झुग्गियों के आसपास ही एकत्रित करते हैं। रविवार सुबह अचानक कबाड़ से धुआं निकलना शुरू हो गया। इससे लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया, जिससे आग झुग्गियों तक नहीं पहुंच सकी। बीते सप्ताह सेक्टर-3 में भी कबाड़ में लगी आग से कई झुग्गियां जलकर राख हो गई थीं। पुलिस आगजनी के कारणों की जांच कर रही है।*

**ड्यूल ओटीपी सिस्टम बचाएगा साइबर अपराधों से, कसी जाएगी एक्सटॉर्शन कॉल्स पर नकेल**

# सीनियर सिटीजन को साइबर ठगी से बचाएगी 'अभेद' एप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

धारूहेड़ा में हाल ही में हुई सीनियर सिटीजन के साथ डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर एक करोड़ से ज्यादा की ठगी का मामला सामने आते ही एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने गंभीरता से कदम उठाए हैं। उन्होंने जिले में पुलिस की 'अभेद' ऐप को प्रभावी तरीके से लागू कराने और ट्रांजेक्शन से पहले ड्यूल ओटीपी सिस्टम शुरू कराया है। इससे आम नागरिक विदेशों में बैठकर साइबर ठगी का जाल बुनने वाले अपराधियों के चंगुल में आने से बच सकेंगे। बढ़ते साइबर अपराधों, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश योजनाओं, विदेश से आने वाली एक्सटॉर्शन या धमकी भरी कॉल्स व रंगदारी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु 'अभेद्य' मोबाइल ऐप तथा 'डबल ओटीपी/ड्यूल ऑथेंटिकेशन प्रणाली' दो महत्वपूर्ण पहल की गई हैं जिन्हें जिले में भी लागू किया जा रहा है। एसपी ने बताया कि 'अभेद्य' देश का पहला मोबाइल आधारित सुरक्षा प्लेटफॉर्म है जो नागरिकों को संदिग्ध कॉल्स, धमकी भरे संदेशों, स्टॉकिंग और डिजिटल उत्पीड़न से बचाता है। विदेश से आने वाली यह ऐप विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय, वर्चुअल और अनसेव्ड नंबरों की निगरानी करता है। विदेश से आने वाली संदिग्ध एक्सटॉर्शन कॉल्स को यूजर तक पहुंचने से पहले ही स्वतः रिजेक्ट कर नंबर को ब्लॉक कर देता है। साथ ही संदिग्ध चैट, वॉयस मैसेज व नोटिफिकेशन को डिवाइस से हटा देता है, जिससे नागरिक मानसिक दबाव व भय से सुरक्षित रह सकें।

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा

■ विदेश से आने वाली संदिग्ध एक्सटॉर्शन कॉल्स को यूजर तक पहुंचने से पहले ही स्वत: रिजेक्ट कर नंबर को ब्लॉक कर देता है

### एसपी ऑफिस से मिल सकेगा एक्सेस

*एसपी ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय से संपर्क कर अधिकृत एक्सेस प्राप्त कर सकते हैं। यह ऐप एंड्रॉयड एवं एप्पल दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। अभेद्य ऐप के माध्यम से नागरिकों को त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए हेल्पलाइन सुविधा भी शुरू की गई है। किसी भी समस्या या जानकारी हेतु उपयोगकर्ता सीधे लैंडलाइन नंबर 01722-930112 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, अधिक सुविधाजनक और त्वरित संचार के लिए 24/7 व्हाट्सएप सपोर्ट व कालिंग भी उपलब्ध है, जिसका नंबर +91 9056555492 है। यह हेल्पलाइन व्यवस्था नागरिकों को सुरक्षा, मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है, ताकि जरूरत के समय तुरंत सहायता सुनिश्चित की जा सके।*

### गुरुग्राम और पंचकूला के बाद तीसरा जिला

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि यह पहल एचडीएफसी बैंक के सहयोग से शुरू की गई है। गुरुग्राम और पंचकूला के बाद रेवाड़ी जिले में इस प्रणाली को लागू किया गया है। 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के लोगों के लिए लागू की जा रही है, ताकि बुजुर्ग साइबर ठगों के जाल में फंसने से बच सकें। उन्होंने बताया कि कोई भी एजेंसी फोन पर डिजिटल अरेस्ट नहीं करती। विदेशी नंबरों से कॉल आने पर घबराएं नहीं। तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या डायल 112 पर संपर्क करें।

### डबल ओटीपी सिस्टम से फ्रॉड पर प्रभावी रोक

एसपी ने बताया कि वर्तमान में साइबर ठग पीड़ित को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर, फर्जी अधिकारी बनकर या मानसिक दबाव बनाकर स्वयं उससे ओटीपी साझा करवा लेते हैं। विशेषकर 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक इस जाल में फंस जाते हैं। डबल ओटीपी सिस्टम के तहत पहला ओटीपी संबंधित व्यक्ति और दूसरा उसके परिजन या परिचित के उस नंबर पर जाता है, जिसे आवेदक की ओर से नामित किया जाता है। दोनों ओटीपी का सत्यापन होने के बाद ही ट्रांजेक्शन हो सकता है। वरिष्ठ नागरिक पर दबाव बनाने की स्थिति में नामित व्यक्ति को अलर्ट मिल जाता है।

### कोसली में श्याम बाबा के जागरण का आयोजन कल

**कोसली।** क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बाबा मुक्तेश्वरपुरी मठ के सामने 28 अप्रैल को श्याम बाबा का विशाल जागरण एवं झांकी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम रात्रि 8:15 बजे से शुरू होकर प्रभु इच्छा तक आयोजित होगा। धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए भक्ति का विशेष वातावरण तैयार किया जाएगा, जिसमें आकर्षक झांकियों के साथ-साथ भजन संध्या का भी आयोजन होगा। कार्यक्रम के आयोजक राजेन्द्र सिंह, राजकुमार उर्फ सोनू एवं एडवोकेट राहुल राव ने बताया कि जागरण में गायक कलाकार संदीप भगत, मा. पवन, मुस्कान दीक्षित, भूपसिंह लोहार, राजा सोनी और विनीत महादेव ग्रुप भजनों के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। आयोजकों ने श्याम भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में जागरण में पहुंचने की अपील की है।

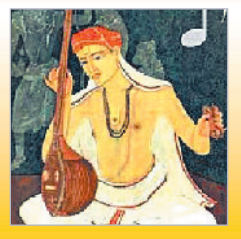

### गांवों के नाम रागों पर आधारित

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

# हरियाणवी लोकगीतों में सात्विक प्रेम और विरह

**हरियाणवी लोक-साहित्य का एक दूसरा पहलू भी है जो बहुत कोमल, संवेदनशील और सात्विक है। यह वह प्रेम है जिसे हम 'सात्विक' कह सकते हैं, क्योंकि इसमें कोई वासना नहीं है, कोई दिखावा नहीं है। यह प्रेम पति-पत्नी के उस अटूट रिश्ते पर आधारित है, जहां समर्पण ही सबसे बड़ा सुख है।**

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

लोकगीत किसी भी समाज की आत्मा होते हैं। जब हम हरियाणा की बात करते हैं, तो अकसर लोगों का ध्यान यहां की वीरता, कुश्ती के मैदानों की तरफ जाता है। लेकिन, हरियाणवी लोक-साहित्य का एक दूसरा पहलू भी है जो बहुत कोमल, संवेदनशील और सात्विक है। यह वह प्रेम है जिसे हम 'सात्विक' कह सकते हैं, क्योंकि इसमें कोई वासना नहीं है, कोई दिखावा नहीं है। यह प्रेम पति-पत्नी के उस अटूट रिश्ते पर आधारित है, जहां समर्पण ही सबसे बड़ा सुख है। आज हम हरियाणवी लोकगीतों के आईने में उस प्रेम और विरह को देखने की कोशिश करेंगे, जो हमारी माटी की असल पहचान है।

हरियाणवी लोकगीतों में विरह केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक अनुभव है। यहां का लोक-मानस प्रकृति के साथ इतना जुड़ा हुआ है कि मौसम बदलते ही मन की अवस्था भी बदल जाती है। जब पिया परदेश में हो, तो सावन की फुहारें या कोयल की कूक किसी कांटे की तरह चुभने लगती है। एक स्त्री जब अपने पिया के वियोग में होती है, तो वह प्रकृति को ही अपना साथी मान लेती है। हरियाणवी लोक-साहित्य में मौजूद 'बारामासा' गीत में एक स्त्री का अपने प्रिय के प्रति सात्विक मोह और समाज की ओर से पूछे जाने वाले सवालों का जवाब देखिए:

*आम्बों की ठंडी सी छांह, निंबों नीचे क्यूं खड़ी?*
*के तेरे पिया परदेस, के तेरी सास बुरी?*
*उड़ जा रे काले से काग, तन्नै मेरी के पड़ी?*
*ना मेरे पिया परदेस, ना है मेरी सास बुरी।*
*आया है साढ़ज मास, आवैं घन घोर कै,*
*जो घर होत्ते म्हारे लाल, बंगला छुवावते।*

इस गीत में स्त्री की जो मर्यादा है, वह काबिले तारीफ है। वह स्त्री अपनी निजी पीड़ा को सार्वजनिक नहीं करती। वह अपनी गरिमा बनाए रखती है। जब मन में विरह की आग जल रही हो, तो बाहर की हर सुरीली चीज़ भी शोर लगने लगती है। कोयल की आवाज़ जो वसंत में लोगों को मोह लेती है, एक विरहिणी के लिए बेचैनी का कारण बन जाती है। यहां लोकगीत की वह गहराई देखिए, जहां वह कोयल से ही संवाद करने लगती है:

*मेरे पिया गए परदेस, कोयलिया क्यूं बोल्लै सै।*
*यो सै मेरे पिया जी का नां, कोयलिया क्यूं बोल्लै सै।*
*तूं तै काली बणी भगवान, काम्मण उनकी गोरी सै।*
*मेरे मन म्हं उठैं सै हिलोर, तूं काल क्यूं हो री सै।*
*तूं तै काले बादल की गैल, उड़ जा री अम्बर म्हं।*
*बेबे! हम विरहण की रात कटै सै पीहर म्हं।*

यहां नायिका को लगता है कि कोयल उसे उसके प्रिय की याद दिलाकर सता रही है। वह कोयल से ही शिकायत करती है कि तू क्यों बोल रही है? क्या तुझे पता है कि मेरे पिया परदेश में हैं? यह लोक-साहित्य का वह जादू है, जहां निर्जीव और सजीव को एक ही धागे में पिरो दिया गया है। पीहर (मायके) में बैठी वह नायिका, अपने पति से दूर है, और उसकी टीस इन शब्दों में साफ़ झलकती है।

पुराने समय में चिट्ठी का आना किसी बड़े आयोजन से कम नहीं था। चिट्ठी में लिखे शब्द प्रियतम की उपस्थिति का अहसास कराते थे। लेकिन उन शब्दों को पढ़ना और फिर रो पड़ना, यह एक विरहिणी की सहज प्रतिक्रिया है। जब सहेलियां घेरा डाल कर पूछती हैं कि जीजा जी ने क्या लिखा है, तो उस बेचारी का हाल देखिए:

*बांचत बांचत हुई हाल बेहाल,*
*आंख्यां तैं आंसू ढारती*
*हाय री, अभागण नार,*
*पिया बिन दिन एकली काटती।*

हरियाणवी लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे महलों की कहानियां नहीं सुनाते, बल्कि खेतों में पसीना बहाने वाली आम औरत की कहानी सुनाते हैं। यहां का प्रेम भी मेहनत से जुड़ा है। काम के बीच पिया की याद आना, यह दिखाता है कि प्रेम कोई अलग से किया जाने वाला काम नहीं, बल्कि जीने का एक हिस्सा है। देखिए, खेत में काम करती एक स्त्री जब अपने पति से मिलती है:

*मेरे पिया की चिट्ठी आई बेबे ए छुट्टी मिलदी ना मूल*
*सिर पर घड़वा कांधै पै कसौल्ला बेबे हे*
*ईख नुलावण जांसीसम निच्चै घड़वा तार्या बेबे ए*
*बीघे का धर लिया घेर सारे सरीर पै तै आया पसिन्ना बेबे ए मुट्ठी हो गई लाल''*

इस गीत में प्रेम का एक व्यावहारिक पक्ष दृष्टिगोचर होता है। पति का आना, काम छोड़ कर उसे लेने जाना, और फिर घर की बातें करना, यह जीवन का सबसे सुंदर दृश्य है। यहां यह दर्शाया गया है कि पति-पत्नी का रिश्ता केवल दो लोगों का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी का आधार भी है। यह सात्विक प्रेम है, जहां पसीने की गंध में भी प्यार की खुशबू है। बुढ़ापे में या तन्हाई में इंसान अपने अतीत की उन छोटी-छोटी बातों को याद करता है जो कभी सामान्य लगती थीं, लेकिन अब बहुत कीमती हो गई हैं। पति-पत्नी का साथ नहाना, साथ खाना, और वो 'मस्त' हो जाना, ये बातें आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में गायब होती जा रही हैं। लोकगीत हमें उसी सादगी की याद दिलाते हैं:

*ये जुल्मी नैण बुरे कोए दिन याद करो*
*एक न्हाणा न्हाण आले दो जणैन्हा*
*न्हा मस्त हुए कोए दिन याद करो*
*एक खाणा खाण आले दो जणै*

कितनी गहरी बात कही गई है! 'जुल्मी नैण' जो उन पुराने दिनों को याद करके दुखी हो रहे हैं। वह समय जब दो लोग साथ खाते-पीते थे और खुश रहते थे। यह प्रेम का वह शुद्ध रूप है, जहां किसी बड़े उपहार की आवश्यकता नहीं थी, बस साथ होना ही काफी था। सुख कहीं बाहर नहीं, बल्कि अपने ही घर में, अपने साथी के साथ बिताए गए पलों में है। हरियाणवी लोकगीतों में नायक और नायिका का संवाद बहुत चतुर होता है। वे सीधे-सीधे बात नहीं कहते, बल्कि गीतों के माध्यम से अपनी बात रखते हैं। यहां देखिए एक नायक जब अपनी नायिका से मिलने का बहाना ढूंढता है, तो वह कैसे अपनी चतुराई और मर्यादा का परिचय देती है:

*हो रास्ते में पड़ गयो झील, छैल तेरे आने जाने में*
*हो तेरा बाप घर पर नहीं, छैल तेरी मय्या बुला रही सै*
*हो मेरी अम्मां गंगा नीर, नीर के दोष लगावो मत ना*
*हो तेरा भय्या घर पर नहीं, छैल तेरी भाभी बुला रही सै*

यह गीत भारतीय संस्कृति का एक बेहतरीन उदाहरण है। नायक उसे बुलाने के लिए घर के हर सदस्य का नाम लेता है, लेकिन नायिका हर सदस्य को एक पवित्र चीज़ (गंगा नीर, जमुना नीर, कच्चा दूध) से जोड़कर उसे गलत साबित कर देती है। यह प्रेम में भी एक नैतिक मर्यादा का पालन है। यहां कोई वासना नहीं है, बल्कि एक-दूसरे को परखने और मर्यादा में रहने का एक अनूठा खेल है। हरियाणवी स्त्री का यह 'सतीत्व' और 'मर्यादा' लोक गीतों में ही सुरक्षित है।

हमारे यहां अतिथि को भगवान माना गया है, और जब वह अतिथि स्वयं 'प्रियतम' हो, तो सेवा का भाव और भी बढ़ जाता है। पत्नी अपने पति के लिए किस प्रकार का भाव रखती है, इसे देखिए:

*म्हारे बाग का मिसरी मेवा चाख कै नै जाइये*
*तेरे हाथ की रै माली की रोटी ना भावै*
*कच्चे पाक्के फल तोड़ै मनै आच्छे ना लागैं*
*सेठ की सिठाणी पै तेरी रोटी पुआ द्यूंगी*

यह केवल भोजन कराने का गीत नहीं है। यह प्रेम की वह पराकाष्ठा है, जहां एक पत्नी अपने पति को रोकना चाहती है। वह उसे अपने बगीचे का मेवा खिलाना चाहती है, उसे आराम देना चाहती है। असल में हरियाणा का लोक-साहित्य प्रेम और विरह को कभी भी रुग्ण या नकारात्मक नहीं मानता। यहां प्रेम केवल एक आकर्षण नहीं है, यह जीवन की एक बड़ी जिम्मेदारी है। पति-पत्नी का रिश्ता, जो इन गीतों का केंद्र है, वह त्याग और समझौते पर टिका है। चाहे वह परदेश जाने का दुःख हो या साथ बिताए पलों की याद, हरियाणवी लोक-गीतों ने इन भावनाओं को शब्दों की ऐसी माला में पिरोया है कि वे सदियों बाद भी ताजी लगती हैं। इन गीतों में वर्णित नायिका अबला नहीं है, वह एक सबल स्त्री है जो अपने परिवार के प्रति संवेदनशील है, अपनी मर्यादा के प्रति सजग है और अपने प्रियतम के प्रति समर्पित है।

अंत में, यही कह सकते हैं कि हरियाणवी लोक गीतों में जो सात्विक प्रेम और विरह का वर्णन है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है। यह धरोहर हमें बताती है कि कैसे जीवन को सादगी से जीना है और कैसे रिश्तों को बिना किसी दिखावे के, केवल प्रेम और विश्वास से सींचना है। ये लोकगीत हमारे इतिहास के वो पन्ने हैं जिन्हें अगर हम मिटने देंगे, तो हम अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए, इन गीतों का गायन और इनका चिंतन, हमारे लिए एक सांस्कृतिक कर्तव्य भी है। हरियाणवी लोक-साहित्य का यह 'सात्विक प्रेम' सदा जीवंत रहे, यही कामना है।


***हरियाणवी लोक गीतों में जो सात्विक प्रेम और विरह का वर्णन है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है। यह धरोहर हमें बताती है कि कैसे जीवन को सादगी से जीना है और कैसे रिश्तों को बिना किसी दिखावे के, केवल प्रेम और विश्वास से सींचना है। ये लोकगीत हमारे इतिहास के वो पन्ने हैं जिन्हें अगर हम मिटने देंगे, तो हम अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए, इन गीतों का गायन और इनका चिंतन, हमारे लिए एक सांस्कृतिक कर्तव्य भी है। हरियाणवी लोक-साहित्य का यह 'सात्विक प्रेम' सदा जीवंत रहे, यही कामना है।***


गजल | रामफल गौड़

## हिम्मत करकै छोड़ उदास्सी

हिम्मत करकै छोड़ उदास्सी।
हांस हांस कै ले स्याबास्सी ।

इब इतिहास नवा लिखणा सै,
कथा पुराणी होल्यी बास्सी ।

अरधसरीरी नार सदा की,
मूरख कहण लगे थे दास्सी ।

करदे आच्छा काम कदे बी,
के मावस सै के पणवास्सी ।

भांड्डा फुट्टै च्योड़ै काल्लर,
कै दिन चाल्लैगी बदमास्सी ।

बण्या कैरियर जी की बाज्जी ,
करोंत पड़ै सै लेणा कांस्सी ।

आवैं बाळक ईब मिलण न्यूं,
पंछी हों ज्युक्कर परवास्सी।

सदा चालिए चाल आपणी,
नकल करण तै होसै हांस्सी।

कड़ै छणैं सैं दूध अर नीर,
हंस जड़ै आवैं फरमास्सी।

देख कुढंग गाम के रामफळ ,
लोग बणे इब सैह्र निवास्सी ।

राग़िनी | भूपसिंह 'भारती'



## मतना काटो पेड़ां नै

मतना काटो पेड़ां नै, न्यू कहरी बेटी थारी।
शुद्ध हवा हमनै दे कै, रखवाली करते म्हारी।।

लालच के चक्कर म्हा थम, कती नहीं शर्माए,
पाच्छै पड़ रहे पेड़ा कै, ये जंगल काट भगाये,
जै ये पेड़ नहीं बचाये, ना बचै ये दुनियादारी।

धरती का सिंगार करै, करकै ये हरियाली,
बरखा नै ये ले कै आवै, ल्यावै सै खुशहाली,
जंगल करो नहीं खाली, पेड़ा पै धरकै आरी।

धरती मां के घने लाडले, जन्म जन्म के साथी,
पर्यावरण शुद्ध करकै, ये बणते सदा हिमाती,
लूएं रोकै ताती ताती, दे सीली छाया प्यारी।

मीठे मीठे फल देवै, ये देवै भोजन पाणी,
पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ, कहै बात या बेटी याणी,
समझ 'भारती' बात या स्याणी, फेर खिलै फुलवारी।
मतना काटो पेड़ा नै, न्यू कहरी बेटी थारी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

परिवेश

**आज के दौर में गांव को 'स्मार्ट' बनाने के साथ-साथ उसे फिर से 'संवेदनशील' बनाने की आवश्यकता**



# चौपाल की गूंज से डिजिटल मौन तक

बदलाव | सरिता

हरियाणा की माटी की खुशबू केवल खेतों की सौंधी सुगंध में नहीं, बल्कि उन अनकहे रिश्तों और सांस्कृतिक ताने-बाने में रची-बसी थी, जो कभी गांवों की पहचान हुआ करते थे। आज जब हम हरियाणा के ग्रामीण परिवेश को देखते हैं तो पाते हैं कि यह बदलाव एक संपूर्ण 'जीवन-दर्शन' का रूपांतरण है।

कभी जो चौपालें गांव का हदय हुआ करती थीं, आज वहां सन्नाटा पसरा है और भौतिक विकास की चकाचौंध के बीच मानवीय संवेदनाओं का अर्थ बदल गया है। कुछ दशकों पहले तक, हरियाणा के गांवों में 'भाईचारा' केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक ढंग था। गांव की चौपाल महज ईंट-पत्थर का एक ढांचा न होकर गांव का 'सुप्रीम कोर्ट' और 'सांस्कृतिक केंद्र' थी। शाम ढलते ही चौपाल पर जो चर्चाएं होती थीं, उनमें राजनीति से लेकर सारे गाँव का सुख-दुःख, लोक-कला और रागनियों की समीक्षा तक शामिल होती थी। उस दौर में गांव की हर खुशी और हर गम साझा होता था। फसल की कटाई हो या किसी के घर विवाह, पूरा गांव एक परिवार की तरह खड़ा होता था। कुंओं की जगत पर महिलाओं का मिलना और लोकगीतों के माध्यम से सुख-दुख साझा करना, एक ऐसा 'सोशल नेटवर्क' था जो आज के डिजिटल युग से कहीं अधिक मजबूत था। आपको याद है ना .... 'मेरे सिर पै बंटा टोकणी' और 'पाणी लेण मैं तो कुंए पै गयी थी' ये लोकगीत शाम को कानों में पड़ते थे तो दिनभर की थकान दूर हो जाती थी। उस समय की भाषा में मिठास थी और व्यवहार में 'मान-मर्यादा' का भाव था। व्यक्ति अपनी पहचान से अधिक अपने गोत्र और गांव की प्रतिष्ठा के प्रति समर्पित रहता था। वहां तर्क के साथ-साथ 'लोक-विवेक' को अधिक महत्व दिया जाता था। समय का पहिया घूमा, तो ग्रामीण हरियाणा का भौतिक स्वरूप तेजी से बदलने लगा। कच्चे घरों की जगह कंक्रीट के बहुमंजिला मकानों ने ले ली। इस निर्माण के साथ ही 'आंगन' सिमट गए। संयुक्त परिवार, जो सुरक्षा और संस्कारों के संवाहक थे, एकल परिवारों में टूट गए। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी बड़ा बदलाव आया। खेती के साथ पशुपालन और पारंपरिक हस्तशिल्प की महत्ता कम होती गई। युवा पीढ़ी का झुकाव शहरों की ओर बढ़ा, जिससे गांवों में 'बुजुर्गों का अकेलापन' एक नई चुनौती बनकर उभरा। जो चौपाल कभी विचारों के आदान-प्रदान का केंद्र थी, वहां अब केवल बुजुर्गों की यादें शेष बची हैं या फिर वह केवल चुनाव के समय राजनीतिक अखाड़ा बन गई हैं। आज का ग्रामीण परिवेश एक अजीब से द्वंद्व में जी रहा है। एक तरफ भौतिक सुख-सुविधाएं हैं तो दूसरी तरफ मानसिक तनाव। मोबाइल और सोशल मीडिया ने गांव को वैश्विक दुनिया से तो जोड़ दिया है, लेकिन पड़ोसियों से दूरी भी बढ़ा दी है। अब लोग एक ही गांव में रहते हुए भी एक-दूसरे से डिजिटल तरीके से जुड़े हैं, लेकिन आमने-सामने बैठकर 'दिल की बात' करने का वक्त कम हो गया है। सबसे बड़ा बदलाव भाषा और संस्कारों में आया है। हरियाणवी बोली, जो अपनी ओजस्विता के लिए जानी जाती थी, वह आज अपनी शुद्धता खो रही है।



नई पीढ़ी के लिए लोक-साहित्य और रागनियों का स्थान अभद्र गीतों और फूहड़ता परोसती वेब सीरीज ने ले लिया है। सोशल मीडिया पर अश्लील और द्विअर्थी संवादों को लेकर सामग्री परोसकर लाइक और व्यूज बटोरते बुजुर्ग, महिलाएं तथा बच्चे बहुसंख्या में देखे जा सकते हैं। संस्कारों का वह ढांचा, जो नैतिकता और बड़ों के प्रति सम्मान पर टिका था, वह अब व्यक्तिगत स्वतंत्रता की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है। जब हम इन दो युगों की तुलना करते हैं, तो यह कहना कठिन है कि परिवर्तन पूरी तरह नकारात्मक है। आज का ग्रामीण हरियाणा अधिक शिक्षित है, जागरूक है और आर्थिक रूप से सशक्त भी। प्रश्न यह है कि क्या हमने विकास की दौड़ में अपनी जड़ों को सुरक्षित रखा है? प्राचीन हरियाणा में जो 'सामूहिकता' थी, वह आज की 'वैयक्तिकता' में कहीं खो गई है। पहले जहां व्यक्ति 'गांव का हिस्सा' था, वहीं आज वह 'दुनिया का नागरिक' बनने की होड़ में है। इस दौड़ में सबसे बड़ी क्षति 'लोक-स्मृतियों' की हुई है। दादा-दादी की कहानियों से मिलने वाले संस्कार और चौपालों पर मिलने वाले व्यावहारिक ज्ञान का स्थान अब गूगल और एआई ने ले लिया है।

हरियाणा के बदलते परिवेश को नकारना असंभव है, क्योंकि परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है। लेकिन सांस्कृतिक विस्थापन को रोकना हमारे हाथ में है। अगर हम उस सोच को, उस भाईचारे को, और उस लोक-चेतना को अपने जीवन में फिर से स्थान दे सकें, तो हम आधुनिकता के साथ-साथ अपनी जड़ों को भी जीवित रख पाएंगे। दरअसल आज के बदलते दौर में गांव को 'स्मार्ट' बनाने के साथ-साथ हमें उसे फिर से 'संवेदनशील' बनाने की आवश्यकता है। क्योंकि अंततः, एक समाज की असली पहचान उसके कंक्रीट के जंगलों से नहीं, बल्कि उस भाईचारे से होती है जो मुश्किल घड़ी में एक-दूसरे के काम आता है।

# सांस्कृतिक विरासत के सजग प्रहरी हैं मुकेश काले

कलाकार | अंकुर शर्मा

हरियाणा की माटी और यहां की आबोहवा में रची-बसी रागनियों ने न केवल इस प्रदेश को वैश्विक स्तर पर पहचान दी है, बल्कि सामाजिक सरोकारों और सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत रखा है। जब हम हरियाणा के लोक रंग की चर्चा करते हैं, तो अक्सर हमारा ध्यान पुराने दौर के गायकों पर जाता है, लेकिन वर्तमान समय में रेवाड़ी जिले के एक युवा कलाकार ने आधुनिकता और परंपरा के बीच एक ऐसा सेतु बनाया है जिसने सबको अचंभित कर दिया है। यह नाम है-मुकेश काले। मुकेश काले, जिनका मूल नाम मुकेश जांगड़ा है, का जन्म 29 नवंबर, 1999 को हरियाणा के रेवाड़ी जिले के एक छोटे से गांव देहलावास गुलाबपुरा में हुआ।

इनके पिता श्री हरिप्रकाश और माता आशा देवी ने बचपन से ही उन्हें संस्कारों की घुट्टी पिलाई। ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े काले का मन बचपन से ही चौपालों में होने वाली भजन मंडलियों और रागनियों में रमता था, जहां वे गांव की मंडलियों और जागरणों का हिस्सा बनते थे।अक्सर यह माना जाता है कि उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में जाने के बाद युवा अपनी जड़ों से कट जाते हैं, लेकिन काले ने इस धारणा को गलत साबित किया। उन्होंने देश के प्रतिष्ठित संस्थान एनआईटी, कुरुक्षेत्र से बी.टेक. की डिग्री हासिल की और वर्तमान में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में एक इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। कार्यक्षेत्र की व्यस्तताओं के बावजूद, उनके भीतर का कलाकार निरंतर सक्रिय रहा है। काले की गायकी की जड़ें उन दिग्गजों के सान्निध्य में गहरी हुई हैं, जिन्होंने रेडियो और सांग के माध्यम से हरियाणा की लोक कला को जीवित रखा। वे प्रेम सिंह देहाती, रेडियो कलाकार गुलाब सिंह खांडेवाल, निरंजन सांगी और गढ़वा लाइन के मास्टर सतबीर पालेराम दहिया को अपना आदर्श मानते हैं और लंबे समय तक उन्हें ही सुन-सुनकर सीखा है। उनकी लोकगीतों की ओर रुचि तब जगी, जब उन्होंने अनुभव किया कि पंडित लखमीचंद ने अपनी प्रसिद्ध रागनियों की धुनें लोकगीतों से ही प्रेरित होकर बनाई थीं। आज 'कइयो री खाती के लड़के ने', 'राम-लक्ष्मण दशरथ के बेटे' और 'दादा इस जांदे परदेस जाइये' उनके सबसे प्रिय लोकगीत हैं। मुकेश काले की सबसे बड़ी पहचान उनकी 'मोमेंटरी' गायकी है, जो किसी वाद्य यंत्र की मोहताज नहीं है। वे अक्सर एक साधारण मेज, स्कूल की बेंच या केवल अपने हाथ की थाप से ही वह लय पैदा कर देते हैं, जिसे सुनने के लिए लाखों लोग उनके सोशल मीडिया हैंडल पर उमड़ पड़ते हैं। उनका मानना है कि लोक संगीत लोगों के द्वारा, लोगों के लिए और लोगों के बीच ही जन्म लेता है। वे तर्क देते हैं कि जैसे कुम्हार बर्तन बनाते हुए या माताएं स्वेटर बुनते हुए गाती हैं, उन्हें किसी साज की ज़रूरत नहीं होती। संगीत अगर आपके भीतर है, तो वह कंप्यूटर पर काम करते हुए टेबल की थाप से भी प्रकट हो सकता है। उनकी इसी मौलिकता के कारण आज इंस्टाग्राम पर 62,000 और फेसबुक पर 36,000 से अधिक अनुयायी उनसे जुड़े हैं। काले केवल एक गायक ही नहीं, बल्कि एक गंभीर शोधार्थी भी हैं। वे उन 50-60 कवियों की रचनाओं को मुख्यधारा में लाना चाहते हैं जो समय के साथ दादा लखमीचंद और मांगेराम जैसे दिग्गजों के प्रभामंडल में कहीं ओझल हो गए। मुकेश काले इन विस्मृत रचनाओं पर निजी तौर पर शोध कर रहे हैं ताकि उन्हें पुनर्जीवित किया जा सके। उनका मुख्य ध्येय हरियाणा के 'लोक संगीत' को वैश्विक पहचान दिलाना है। वे भविष्य में एक 'हरियाणवी लोक बैंड' बनाने की दिशा में भी अग्रसर हैं, जो पारंपरिक रागनियों को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक ले जा सके।'

**मुकेश का सबसे बड़ा ध्येय पूर्णतः 'हरियाणवी' बनना है। वे सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी बोली को उसी मूल ध्वनि और उच्चारण में लिखना सीख रहे हैं, जैसा हम बोलते हैं, ताकि 'जेन-जी' पीढ़ी अपनी मातृभाषा की विशिष्टता को समझ सके।**

मुकेश का सबसे बड़ा ध्येय पूर्णतः 'हरियाणवी' बनना है। वे सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी भाषा को उसी मूल ध्वनि और उच्चारण में लिखना सीख रहे हैं जैसा हम बोलते हैं, ताकि 'जेन-जी' पीढ़ी अपनी मातृभाषा की विशिष्टता को समझ सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष हरियाणा का 'स्वर्ण जयंती गीत' प्रस्तुत कर चुके काले सिद्ध कर रहे हैं कि आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों को छोड़ना नहीं है। एक इंजीनियर की तार्किक बुद्धि और एक लोक कलाकार का संवेदनशील हृदय जब साथ मिलते हैं, तो मुकेश काले जैसी प्रतिभा का जन्म होता है। आज के 'अपसंस्कृति' के दौर में वे हरियाणा की सांस्कृतिक चेतना के एक मजबूत स्तंभ हैं। उनकी यह यात्रा उन तमाम युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अपनी संस्कृति को 'पिछड़ा' मानकर उससे दूर भागते हैं।

### 30 अप्रैल तक खुद अपनी जानकारी पोर्टल पर दर्ज करें नागरिक

# राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें नागरिक : डीसी

■ जनगणना अधिनियम 1948 के तहत गोपनीयता की गारंटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने जिलावासियों से आह्वान किया है कि जनगणना केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं बल्कि देश की प्रगति का आधार है। उन्होंने बताया कि दुनिया के इस सबसे बड़े जनगणना अभियान में आमजन की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। आधुनिक तकनीक का लाभ उठाते हुए सरकार ने इस बार नागरिकों को सेल्फ एन्यूमरेशन यानी स्वयं गणना की सुविधा दी है, जिसके लिए आगामी 30 अप्रैल तक आधिकारिक पोर्टल खुला रहेगा। कोई भी नागरिक पोर्टल पर स्व जनगणना कर सकता है।

उपायुक्त ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि उनकी व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय और सुरक्षित है। जनगणना अधिनियम 1948 के तहत आंकड़ों की गोपनीयता की कानूनी गारंटी दी गई है। यह डेटा सुरक्षित सर्वर पर एनक्रिप्टेड रूप में संग्रहित किया जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस डेटा का उपयोग किसी भी प्रकार की जांच, टैक्स या पुलिस कार्रवाई के लिए नहीं किया जा सकता। रिपोर्ट में केवल संकलित आंकड़े ही प्रकाशित किए जाते हैं और किसी व्यक्ति का नाम या पता किसी को नहीं दिया जाता। उन्होंने बताया कि पहले चरण में मकानों की सूचीकरण जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत फिलहाल मकानों का सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य किया जा रहा है। उपायुक्त ने अपील की है कि जनगणना के लिए आने वाले कर्मचारियों को सही जानकारी दें और निडर होकर इस प्रक्रिया का हिस्सा बनें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना की जिम्मेदारी केवल सरकारी कर्मचारियों की ही नहीं बल्कि हर प्रबुद्ध नागरिक की भी है।

उपायुक्त अनुपमा अंजलि

**नागरिकों की सहायता व जानकारी के लिए जारी किया टोल-फ्री नंबर 1855**

उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने डिजिटल माध्यम का उपयोग करते हुए कोई भी नागरिक अपने परिवार का विवरण खुद भी भर सकता है। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि आंकड़ों की सटीकता भी सुनिश्चित होगी। किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए सरकार की ओर से टोल-फ्री नंबर 1855 भी जारी किया गया है। उपायुक्त ने अंत में संदेश दिया कि भरोसा भी, भागीदारी भी के मंत्र के साथ हम सभी को देश के विकास में अपना सहयोग देना चाहिए। नागरिकों की ओर से दी गई सही जानकारी ही भविष्य की योजनाओं और नीतियों के निर्माण में सहायक सिद्ध होगी।

### जनवरी माह में विधायक कंवर सिंह ने किया था शिलान्यास

# नपा के नए भवन का कार्य 30 प्रतिशत पूरा, दिवाली तक पूरा होने का अनुमान

करीब 4.36 करोड़ रुपये की लागत से करवाया जा रहा है निर्माण, आधुनिक सुविधाओं से होगा लैस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आने वाले दिनों में नगर पालिका को नया भवन जल्द मिलने की संभावना है। ऑटो मार्केट के पीछे ठेकेदार की ओर से नगर पालिका का नए भवन का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर जारी हैं। नपा प्रधान का कहना है कि पहली मंजिल का लैंटर का कार्य हो चुका है। इसके अलावा भवन का करीब 30 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। नपा प्रधान के दावे पर यकीन करें तो नपा का नया भवन नवंबर महीने तक पूरा कर लिया जाएगा। बता दें कि ऑटो मार्केट के पीछे खाली जमीन पर नगर पालिका की ओर से नया भवन बनाने के लिए सरकार की ओर से करीब 4.36 करोड़ रुपये का टेंडर लगाया गया था। सभी प्रक्रिया पूरी करने के बाद जनवरी माह में विधायक कंवर सिंह ने इसका शिलान्यास किया था। नगर पालिका का नया भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। करीब तीन एकड़ में खाली पड़ी नगर पालिका की जमीन पर पालिका ग्राउंड फ्लोर सहित दो मंजिला भवन बनाया जाएगा। सरकार की ओर से इसकी पहले ही स्वीकृति भी मिल चुकी थी। करीब 4.36 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला नया भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। वर्तमान में नगर पालिका कार्यालय शंकर मार्केट में स्थित है। यह कार्यालय 1991 में बनाया गया था। वर्तमान दौर में नगर पालिका कार्यालय में जगह का अभाव हैं। आने वाले लोग अपने वाहन को इधर उधर खड़ा कर देते हैं। इसके अलावा नगर पालिका कर्मचारी द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान उठाए गए सामान को भी रखने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। जगह के अभाव में पालिका ने नया भवन बनाने का निर्णय लिया गया था। सरकार से पहले ही स्वीकृति मिल चुकी थी। जल्द ही इसका कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

महेंद्रगढ़। नपा के नए भवन में लैंटर लगाने का कार्य करते श्रमिक। फोटो : हरिभूमि

**जल्द कार्य होगा पूरा**

ऑटो मार्केट के पीछे करीब 4.36 करोड़ रुपये की लागत से नगर पालिका का नया भवन बनाया जा रहा हैं। नपा के नए भवन का कार्य करीब 30 प्रतिशत पूरा हो चुका हैं। इसके अलावा ठेकेदार द्वारा पहली मंजिल के कार्य का लैंटर भी लग चुका हैं। दिवाली तक इसका कार्य पूरा कर लिया जाएगा। निर्माण कार्य में सामाग्री में कोई कमी नहीं आने दी जाएंगी।

-रमेश सैनी, प्रधान, नगर पालिका, महेंद्रगढ़।

**हाल में शंकर मार्केट में स्थित है नगर निगम कार्यालय**

**निगम कर्मचारी जगह के अभाव का कर रहे है सामना**

**यह सुविधाएं मिलेंगी**

कार्यालय में दो मंजिला भवन होगा। ग्राउंड फ्लोर पर एडमिन ब्रांच होगा, जहां चेयरमैन, सचिव आदि के अलग-अलग कक्ष होंगे। इसी फ्लोर पर एक कांफ्रेंस हाल भी होगा। जहां पर एमई, जेई, पटवारी, बीआई के कक्ष होंगे। इसके अलावा अकाउंट ब्रांच भी इसी फ्लोर पर होगी। दूसरे फ्लोर पर महिला और महिला पुरुषों का अलग-अलग रैनबसेरा बनाया जाएगा। सभी फ्लोर पर पानी और शौचालय की व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा भवन में लिफ्ट भी लगाई जाएगी। इसके साथ शॉपिंग कॉम्प्लेक्स व सार्वजनिक पार्किंग की सुविधा भी होगी।

# सहादत नगर में विवाह समारोह में पहुंचे रोहतक लोकसभा सांसद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

रोहतक लोकसभा क्षेत्र से सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने शनिवार को कोसली के गांव सहादतनगर में पूर्व चेयरमैन श्याम यादव के बड़े भाई पवन कुमार की पुत्री मोनिका के विवाह समारोह में शिरकत की। समारोह में बड़ी संख्या में क्षेत्र के प्रमुख लोग उपस्थित थे। इस मौके पर सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी पृष्ठभूमि से जुड़े परिवार ने हमेशा कोसली क्षेत्र और कांग्रेस पार्टी के लिए कार्य किया है। इस अवसर पर बादली के विधायक कुलदीप वत्स, पूर्व मंत्री विक्रम सिंह यादव, जगदीश यादव, दीवान सिंह चौहान, ओम प्रकाश डाबला, सरिता शेखावत, जिला पार्षद विनोद गोला, जवान सिंह महरा, एडवोकेट राकेश लंबा, सेठ रामकिशन, रामफल कोसलिया, नरेंद्र सिंह, सरपंच महेंद्र सिंह, सुरेंद्र, स्वराज, सतीश पवन, संजय व ठेकेदार रमेश कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। शादी समारोह में अन्य नेताओं के साथ सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा।

**महाराणा प्रताप की जयंती 10 मई को**

**नारनौल।** आगामी 10 मई को गांव भोजावास में वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की जयंती मनाई जाएगी। समारोह के मुख्य अतिथि प्रमुख राजनेता एवं समाजसेवी ठाकुर अतरलाल, प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट हरियाणा अशोक कुमार चौहान, जिला अध्यक्ष राजपूत सभा गुरुग्राम अरुण सिंह चौहान एडवोकेट, जिला अध्यक्ष राजपूत प्रतिनिधि सभा भिवानी डॉ. बृजपाल सिंह पप्पू व पवन ठाकुर भिवानी होंगे।

## खबर संक्षेप

**गो सम्मान आह्वान अभियान शोभायात्रा आज**

**कोसली।** पूरे भारत वर्ष में गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलवाने के लिए आहूत अभियान के अंतर्गत 27 अप्रैल को उप तहसील नाहड़ से लेकर उप तहसील डहीना तक शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। शोभायात्रा प्रातः 9 बजे नाहड़ गांव से डहीना की ओर प्रस्थान करेगी। आयोजकों ने ग्रामवासियों से शोभा यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया है।

**दहेज प्रताड़ना का आरोपी चढ़ा हत्थे**

**बावल।** पुलिस ने दहेज प्रताड़ना के आरोप में दर्ज मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बीते साल मिली विवाहिता कुसुमलता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग से समझौता कराने के प्रयास किए थे। दोनों पक्षों के बीच समझौता नहीं होने के कारण पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में महेंद्रगढ़ के सतनाली निवासी विवेक को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

**कुएं में गिरे युवक को ग्रामीणों ने सुरक्षित निकाला**

**रेवाड़ी।** बीकानेर गांव का एक दिमागी रूप से कमजोर युवक गांव के कुएं में गिर गया। पता चलते ही ग्रामीणों ने उसे कुछ देर बाद ही सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मामूली चोटें आने के कारण उसे अस्पताल भेजा गया। गांव के पास करीब 30 फीट गहरा एक कुआं है, जिसमें पानी की मोटर भी लगी हुई है। गांव का दिमागी रूप से कमजोर 26 वर्षीय कृष्ण कुएं के आसपास घूम रहा था। इसी दौरान अचानक वह कुएं में गिर गया। आसपास के लोगों ने उसे कुएं में गिरते हुए देख लिया। ग्रामीणों ने शोर मचाया तो वहां बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गई। ग्रामीणों ने एक युवक को रस्से के सहारे कुएं में उतारकर कृष्ण को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

**आज श्रद्धालु मनाएंगे मोहिनी एकादशी का पर्व**

**रेवाड़ी।** वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी यानि मोहिनी एकादशी का पर्व 27 अप्रैल को धूमधाम से मनाया जाएगा। मोहिनी एकादशी को सभी एकादशी तिथि में विशेष माना गया है। सोमवार को एकादशी पर श्रद्धालु दैनिक कार्यों से निवृत होकर व्रत रखकर भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि मोहिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु ने समुद्र मंथन के दौरान निकले अमृत कलश को असुरों से बचाने के लिए मोहिनी अवतार धारण किया था, इसलिए इसे मोहिनी एकादशी कहा जाता है।

**आज गनियार में भंडारा**

**मंडी अटेली।** अटेली क्षेत्र के गांव गनियार स्थित श्री हनुमान मंदिर में 27 अप्रैल को भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर गांव में उत्साह का माहौल है और तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आज सुबह सवा आठ बजे कलश यात्रा एवं हवन का आयोजन किया जाएगा। वहीं भंडारे का शुभारंभ सुबह सवा 10 बजे से किया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने और प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

■ सुबह आठ बजे होगा कलश यात्रा व हवन

# आरपीएस वेटरनरी कॉलेज में मनाया पशु चिकित्सा दिवस

■ भाषण प्रतियोगिता में पशु कल्याण: एक जिम्मेदारी और रोग रोकथाम में पशु चिकित्सक की भूमिका पर रखें प्रभावशाली विचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरपीएस कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंसेज बलाना में विश्व पशु चिकित्सा दिवस मनाया गया। इस वर्ष की थीम पशु चिकित्सक भोजन और स्वास्थ्य के संरक्षक पर आधारित इस कार्यक्रम ने न केवल पशु चिकित्सकों के योगदान को रेखांकित किया, बल्कि समाज में उनके बहुआयामी महत्व को भी प्रदर्शित किया। कार्यक्रम के शुभारंभ पर मुख्यातिथि निदेशक डीसीसी पेट केयर डॉ. विनोद शर्मा थे। आरपीएस ग्रुप सीईओ इंजि. मनीष राव, रजिस्ट्रार डॉ. देवेन्द्र यादव, डीन डॉ. संदीप गेरा द्वारा द्वीप प्रज्वलन के साथ किया गया। संस्थान संस्थापक स्वर्गीय डॉ. ओपी यादव को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी सोच ने इस क्षेत्र में शिक्षा की नींव रखी। उत्सव की शुरुआत सुबह 9:30 बजे कॉलेज के पशु चिकित्सा नैदानिक परिसर में निःशुल्क स्वास्थय जांच और टीकाकरण अभियान के साथ हुई। इस शिविर में पालतु एवं बेसहारा श्वानों को निःशुल्क टीकाकरण किया गया। डॉ. विनोद शर्मा ने पशु कल्याण के आधुनिक आयामों पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त, इंटास फार्मास्युटिकल्स के प्रतिनिधियों ने पशु चिकित्सा विज्ञान में नवीनतम तकनीकी प्रगति पर एक विशेष सत्र आयोजित किया। छात्रों की रचनात्मकता और वैचारिक स्पष्टता को परखने के लिए विभिन्न प्रतियोगिता को आयोजन किया गया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कुल 111 छात्रों ने हिस्सा लिया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में छात्रों में पशु कल्याणः एक जिम्मेदारी और रोग रोकथाम में पशु चिकित्सक की भूमिका जैसे विषयों पर प्रभावशाली विचार रखे। कार्यक्रम के कन्वेनर डॉ. अभिषेक पाठक और डॉ. आस्था नागपाल ने बताया कि पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम अमल कृष्णा द्वितीय वर्ष, द्वितीय नव्या सूद तृतीय वर्ष, तृतीय मुस्कान प्रथम वर्ष एवं आर्यन द्वितीय वर्ष रहे। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम प्रिंयाशी हलदर तृतीय वर्ष, द्वितीय नेहा द्वितीय वर्ष, तृतीय खुशी तृतीय वर्ष रहे। सीईओ इंजि. मनीष राव ने बताया की दूरदर्शी नेतृत्व और गुणवतापूर्ण शिक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के कारण ही आरपीएस कॉलेज आज आधुनिक प्रयोगशाला, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण से लैस है।

महेंद्रगढ़। अतिथि का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

**ये रहे मौजूद**

इस अवसर पर प्रो. एमओ कुरियन, प्रो. पीके सिंह, डॉ. सुभाष जांगडा, डॉ. एसके सोनी, डॉ. ओके रायना, प्रो. एससी यादव, डॉ. राजेश कुमार पारिक, डॉ. अरुण तनेजा, डॉ. रेनू यादव, डॉ. अंकुर उपाध्याय, डॉ. प्रशांत, डॉ. गरिमा पांडे, डॉ. कृतिका, डॉ. अथूल्या, डॉ. नवीना उपस्थित रहे।

# राजकीय प्राथमिक विद्यालय गुगोढ़ का शहीद गनर चतुर्भुज वशिष्ठ के नाम पर हुआ नामकरण

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद अतिथि, सरपंच व ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

■ कर्नल सुनील यादव ने पूर्व सैनिकों को पेंशन संबंधी समस्या दूर कराने का आश्वासन दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

रविवार को गांव गुगोढ़ स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय का नामकरण शहीद गनर चतुर्भुज वशिष्ठ के नाम पर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मेजर डा.टीसी राव उपस्थित थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में कर्नल सुनील यादव ने शिरकत की। कार्यक्रम में विंग कमांडर सतीश यादव सचिव जिला सैनिक बोर्ड, उद्योगपति विनीत यादव, पूजा यादव सरपंच गुगोढ़, कैप्टन रामफल यादव महासचिव ग्रामीण उत्थान भारत निर्माण तथा शहीद गनर चतुर्भुज वशिष्ठ के पुत्र चैन सिंह वशिष्ठ सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, स्टाफ सदस्य, पूर्व सैनिक व ग्रामीणों ने भाग लिया। इस मौके पर मेजर राव ने शहीद सिपाही लखपत सिंह एवं शहीद गनर चतुर्भुज वशिष्ठ के परिवारजनों को परमवीर सेनानी रत्न सम्मान, स्मृति चिन्ह एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर विंग कमांडर सतीश यादव ने युवाओं को रक्षा सेवाओं में अधिकारी बनने के लिए मार्गदर्शन किया। कर्नल सुनील यादव ने पूर्व सैनिकों को पेंशन संबंधी समस्या दूर कराने का आश्वासन दिया। मुख्य अतिथि मेजर डा. राव ने विद्यालय में एक वाटर कूलर लगाने की घोषणा की। उन्होंने देशभक्ति कार्यक्रमों में भाग लेने वाली छात्राओं को 5000 की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जो सोचते हैं, वह हासिल कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए निरंतर परिश्रम आवश्यक है। सभी अपना लक्ष्य निर्धारित करें और पूरी ऊर्जा के साथ उसे प्राप्त करने तक प्रयास करते रहें। उन्होंने सरपंच को सुझाव दिया कि गांव गुगोढ़ को जोड़ने वाली सभी सड़कों का नाम द्वितीय विश्व युद्ध के चार शहीदों के नाम पर रखा जाए।

**प्रदर्शन** सरकार के खिलाफ पिछले सात महीनों से कर्मी दे रहे धरना

# एलसीएलओ कर्मचारियों का सीएम आवास घेरने का ऐलान, चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

■ सीपीएलओ का विज्ञापन निकालकर बिना काम व वेतन के एलसीएलओ बनाकर अधर में छोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा में एलसीएलओ कर्मचारियों व सरकार के बीच तकरार गहराती जा रही है। पिछले सात महीनों से कुरुक्षेत्र में धरने पर बैठे इन युवाओं का गुस्सा अब सातवें आसमान पर पहुंच गया है। इस बारे में जानकारी देते हुए एलसीएलओ कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान पवन डागर पलवल ने बताया कि एलसीएलओ यूनियन ने आर पार की लड़ाई का मन बना लिया है। उन्होंने बताया कि यूनियन ने दो बड़े फैसले लिए हैं, जिसके तहत एक मई मजदूर दिवस को प्रदेश भर के एलसीएलओ कर्मचारी कुरुक्षेत्र के पीपली में मुख्यमंत्री सैनी के आवास का घेराव करेंगे। यदि फिर भी समाधान नहीं हुआ, तो चार हजार एलसीएलओ कर्मचारी, उनके परिवार व रिश्तेदार आगामी चुनावों में मतदान नहीं करेंगे। यूनियन हर चुनाव से दूरी बनाएगी। इस बारे में जिला प्रधान दीपक व जिला उप प्रधान विनोद जांगड़ा ने बताया कि यह विवाद पदनाम बदलने और वेतन न मिलने से जुड़ा है। क्रीड (सीआरआईडी) के तहत सीपीएलओ पद के लिए परीक्षा ली गई थी, लेकिन चयन के बाद आधे युवाओं को सीपलएलओ बनाया गया, जबकि आधे का पदनाम बदलकर एलसीएलओ कर दिया गया। उन्होंने कहा कि एलसीएलओ को 18 महीने से न काम मिला है और ना वेतन तथा सीपीएलओ को मात्र छह हजार रुपये मिल रहे हैं। इस मसले को लेकर मुख्यमंत्री से 17 बार, मुख्य सचिव पांच बार, क्रीड विभाग के एसीएस से 10 बार, पंचायत मंत्री से चार बार, पंचायत विभाग से आठ बार और सीएम ओएसडी से 22 बार मुलाकात हो चुकी है, लेकिन आश्वासन के आलावा कुछ समाधान नहीं हुआ।

नारनौल। एलसीएलओ कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

**संघर्ष रहेगा जारी**

उन्होंने कहा कि हमारा शोषण चरम पर है। विज्ञापन सीपीएलओ का निकाला गया और हमें बिना काम वेतन के एलसीएलओ बनाकर अधर में छोड़ दिया गया। जब तक हमें सीपीएलओ के समान पद और वेतन नहीं मिलता, संघर्ष यू ही जारी रहेगा। यूनियन ने साफ कर दिया है कि सीटू व सर्व कर्मचारी संघ और मिलकर एक बड़ा संयुक्त आंदोलन शुरू करेंगे। जिसकी जिम्मेदारी सीधे तौर पर प्रशासन और हरियाणा सरकार की होगी।

## हाय रे गर्मी: सामान्य से 4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा तापमान

# तपती झुलसाती गर्मी ने सताया रविवार सीजन का सबसे गर्म दिन

### पहली बार बिजली की खपत 90 लाख यूनिट पार

**आज से मौसम में बदलाव की संभावना**

**गत पांच दिनों में बिजली की खपत**

| | |
|---|---|
| 21 अप्रैल | 78.62 |
| 22 अप्रैल | 83.03 |
| 23 अप्रैल | 87.74 |
| 24 अप्रैल | 89.19 |
| 25 अप्रैल | 90.24 |

(खपत लाख यूनिट में)

रेवाड़ी। रविवार दोपहर को महाराणा प्रताप चौक पर पसरा सन्नाटा तथा धूप व लू से बचाव के साथ गुजरते बाइक सवार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अप्रैल माह के अंत में जून माह जैसी भारी गर्मी ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। तापमान बढ़ने से रविवार का दिन सीजन का सबसे गर्म दिन रहा, तो पहली बार बिजली की दैनिक खपत बढ़कर 90 लाख यूनिट के पार हो गई। पारा चढ़ने से गर्मी ने लोगों की रात की नींद भी हराम करना शुरू कर दिया है। मौसम में सप्ताह के शुरू में ही बदलाव आने की संभावना है, जिससे आने वाले दो-तीन दिन में पारा गिरना शुरू हो जाएगा। इससे लोगों को झुलसाने वाली गर्मी से कुछ हद तक राहत मिल सकेगी।

कमजोर पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते रविवार को सुबह के समय आसमान में आंशिक बादल नजर आने लगे। दोपहर तक आसमान पूरी तरह साफ हुआ, तो तेज धूप ने हवाओं को गर्म बना दिया। लगभग 24 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली गर्म हवाओं ने लू के थपेड़ों का काम करना शुरू कर दिया। अधिकतम तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 43.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। यह इस सीजन का सबसे अधिक तापमान रहा। रात को तापमान भी 2.0 डिग्री के उछाल के साथ 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शनिवार की रात भी सीजन की सबसे गर्म रात रही। बीते साल की तुलना में दिन और रात के तापमान अधिक बने हुए हैं। गत वर्ष 26 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40.5 और न्यूनतम 21.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। लोगों को भारी गर्मी से राहत मिली हुई थी। रविवार को हवाओं की रफ्तार काफी अधिक रही। गर्म हवाएं चलने से लोग घरों से बाहर नहीं निकले, जिससे दोपहर के समय सड़क और बाजार सूने नजर आने लगे। तपती हुई गर्मी से जल्द राहत मिलने की संभावना है। शाम के समय एक बार फिर बादल गहराने से बूंदाबांदी या हल्की बारिश की संभावना नजर आ रही थी।

### मौसम में जल्द बदलाव की संभावना

तीन दिनों से लोगों को भारी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। इससे जल्द राहत मिलने के आसार नजर आने लगे हैं। मौसम विभाग के अनुसार विक्षोभ की सक्रियता के चलते जल्द बादल छाएंगे। तेज हवाओं या आंधी के साथ कुछ इलाकों में हल्की बरसात या बूंदाबांदी हो सकती है। इस सप्ताह के शुरू में ही मौसम में बदलाव आने की संभावना है, जिससे 28 अप्रैल से तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। अगले कुछ दिनों तक पारा गिरने से झुलसाने वाली गर्मी का असर कम होगा, लेकिन उमस परेशानी करना शुरू कर देगी।

### बिजली की खपत ने तोड़ा रिकॉर्ड

भारी गर्मी के कारण एसी, कूलर और पंखों का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। इससे बिजली की दैनिक खपत ने पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। शनिवार की शाम तक जिले में बिजली की दैनिक खपत 90 लाख यूनिट के पार चली गई। गत वर्ष इसी दिन यह 72.34 लाख यूनिट रही थी। बिजली की खपत पांच दिन से लगातार बढ़ रही है। आपूर्ति और मांग में ज्यादा अंतर नहीं आया है, लेकिन घरेलू क्षेत्र की बिजली पर आधे घंटे तक के कट लगने शुरू हो गए हैं। तापमान गिरने से बिजली की मांग में कमी आने की संभावना है।

### एक्यूआई भी बढ़ा रहा परेशानी

तेज हवाओं के साथ उड़ने वाली धूल और धुआं के कणों ने एक्यूआई को भी बढ़ाना शुरू कर दिया है। अप्रैल के पहले पखवाड़े में बारिश के बाद धूल और धुआं के कण साफ होने से एक्यूआई 100 से नीचे चला गया था। अब लू के साथ धूल के कण उड़ने लगे हैं। टूटी सड़कों से भी धूल उड़ रही ह, जिससे हवा प्रदूषित होने लगी है। रविवार को धारूहेड़ा का एक्यूआई 157 दर्ज किया गया, जिसमें अभी और इजाफा हो सकता है।

## खबर संक्षेप

### जिला स्तरीय जूनियर बास्केटबॉल प्रतियोगिता में टैगोर स्कूल बना विजेता

रेवाड़ी। जिला बास्केटबॉल संघ की ओर से जिला स्तरीय जूनियर बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बावल रोड स्थित स्वरांजलि पब्लिक स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्यातिथि डा. हेमंत यादव और मनमीत यादव ने किया। अतिथियों ने सभी खिलाड़ियों से परिचय करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। संघ के सचिव लखमीचंद ने अतिथियों का स्वागत किा। प्रतियोगिता के आयोजन में अनिल डागर व संघ के अन्य सदस्यों का योगदान रहा। प्रतियोगिता में लड़कों की 10 टीमों व लड़कियों की 5 टीमों सहित 15 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दोनों वर्गों में टैगोर पब्लिक स्कूल की टीमें प्रथम स्थान पर रही, जबकि लड़कों में डॉन बास्को पब्लिक स्कूल व लड़कियों में गांव भूड़ला की टीम दूसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के बाद जिले की लड़कों व लड़कियों टीमों का चयन किया गया, जो 8 मई से किलोई रोहतक में आयोजित होने वाली 58वीं हरियाणा राज्य जूनियर बास्केटबॉल प्रतियोगिता में जिला रेवाड़ी का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रतियोगिता में क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति व खिलाड़ी मौजूद थे।

### मोहनी एकादशी पर अनाजमंडी में श्री श्याम बाबा का संकीर्तन आज

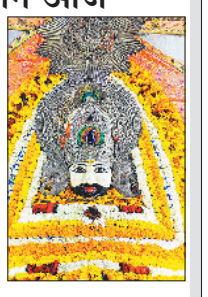

रेवाड़ी। नई अनाज मंडी स्थित शिव मंदिर में श्री श्याम श्रृंगार सेवा ग्रुप की ओर से मोहनी एकादशी के अवसर पर 27 अप्रैल को 128वें मासिक श्याम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। संकीर्तन का समय शाम 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक रहेगा। श्री श्याम श्रृंगार सेवा ग्रुप से विजय अग्रवाल व रवि भट्ठेवाले ने बताया कि संकीर्तन में देहरादून से भजन गायक मयूर गुप्ता व गोकलगढ़ रेवाड़ी से संजय शर्मा अपने मधुर भजनों से बाबा श्याम की महिमा का गुणगान करेंगे। 28 अप्रैल को द्वादशी के अवसर पर शिव मंदिर में सुबह 11 बजे से भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

### सैन समाज ने की समिति का विस्तार और समाज को संगठित करने पर चर्चा

रेवाड़ी। सैन समाज उत्थान समिति की बैठक रविवार को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस पार्क में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के प्रधान सुरेन्द्र पाल सैन ने की, जबकि मंच संचालन ओमप्रकाश सैन ने किया। बैठक में समिति का विस्तार करने तथा सैन समाज को संगठित करने पर विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि सैन समाज से संबंधित जिन बच्चों ने बोर्ड परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए है, उन्हें आगामी दिनों में समिति की ओर से सम्मानित किया जाएगा, वही खेल व शिक्षा क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने वाली प्रतिभाओं का भी सम्मान किया जाएगा। बैठक में पवन कुमार बुढ़ाना, श्रीकृष्ण मौजाबाद, जयनारायण गुमीना, हरद्वारी लाल जलालपुर, हनुमान सैन हरजीपुर, अजय कुमार जाटूवास, ईश्वर सैन, तिलकराज, संदीप सैन मंगलेश्वर, प्रताप सिंह, रिसाल सिंह घीलावास, लाल सिंह लिसाना व जयपाल सहित समिति के सभी सदस्य मौजूद थे।

### नशा बेचने वालों की असली जगह जेल निःसंकोच पुलिस को दें सूचनाः एसपी

रेवाड़ी। जिला पुलिस युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए और खेलों से जोड़ने के लिए लगातार अभियान चला रही है। पुलिस की ओर से रोजना शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पुलिस टीम नशा करने वालों की जानकारी लेकर तथा उनकी काउंसलिंग कराकर नशा छोड़ने के लिए प्रेरित भी कर रही है। पुलिस टीम ने रविवार को गांव केशवपुर व रसियावास में लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने लोगों को नशा न करने की शपथ भी दिलाई। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे से बचाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि नशा बेचने वालों की असली जगह जेल में है, इसलिए नशे का कारोबार करने वालों की सूचना निःसंकोच होकर पुलिस को दें।

### गोठड़ा अहीर में रात्रि ठहराव कार्यक्रम आज

रेवाड़ी। जिला प्रशासन की ओर से 27 अप्रैल को गांव गोठड़ा अहीर में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सीटीएम जितेंद्र कुमार ने बताया कि डीसी अभिषेक मीणा व एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा रात्रि ठहराव के दौरान ग्रामीणों से संवाद करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक व व्यक्तिगत समस्याओं को सुनकर उनका समाधान किया जाएगा। इस मौके पर प्रदर्शनी लगाकर ग्रामीणों को विभागों की योजनाओं से भी अवगत कराया जाएगा।

### नामांकन पत्रों की छंटनी आज 28 को ले सकेंगे नाम वापस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले में 10 मई को होने वाले शहरी निकाय चुनाव व पंचायतीराज संस्थाओं के उपचुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया सम्पन्न हो चुकी है। नगर परिषद रेवाड़ी व नगर पालिका धारूहेड़ा के आम चुनाव तथा पंचायती राज संस्थाओं में रिक्त पदों पर उपचुनाव 10 मई को होंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक मीणा ने बताया कि 27 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और उम्मीदवार 28 अप्रैल को दोपहर 3 बजे तक अपना नाम वापस ले सकते हैं, जिसके तुरंत बाद उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए जाएंगे। 28 अप्रैल को ही उम्मीदवारों और पोलिंग स्टेशन की लिस्ट चस्पा की जाएगी। मतदान 10 मई को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक होंगे।

### अपराध पर नियंत्रण के लिए चला अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराधियों पर नकेल कसने की दिशा में पुलिस की ओर से लगातार पैदल गश्त अभियान चलाया जा है। जिलेभर के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों में संचालित अभियान का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी बढ़ाकर आमजन को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। अभियान के दौरान शनिवार रात्रि को पुलिस की विभिन्न टीमों ने जिले के प्रमुख बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मुख्य चौक-चौराहों और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर पैदल गश्त की। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने अभियान का जायजा लिया और अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने के निर्देश दिए। पुलिस के अभियान के मुख्य उद्देश्य सड़कों पर पुलिस की सक्रियता बढ़ाकर आम नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों में सुरक्षा का विश्वास पैदा करना है। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर निरंतर गश्त करके असामाजिक तत्वों और संदिग्ध व्यक्तियों पर दबाव बनाना है।

### घोड़ी पर बनवारा निकालकर बढ़ाया बेटी का मान, समाज को मिला संदेश

रेवाड़ी। समाज में बेटियों के प्रति लोगों की सोच बदलती जा रही है। बेटियों को भी अब बेटों की तरह समान अधिकार दिए जा रहे है। जिले के गांव खालेटा में परिवार ने शादी से पूर्व बेटी का घोड़ी पर बैठाकर बनवारा निकालकर समाज को सार्थक संदेश दिया। खालेटा निवासी सुनील कुमार ने अपनी बीएसएसी पास बेटी अंशु यादव का लड़कों की तरह घोड़ी पर बैठाकर बनवारा निकाला। इस मौके पर लड़की के दादा वेद प्रकाश, दादी संतरा देवी, पिता सुनील कुमार, मां सुमन देवी, ताऊ सूरत सिंह तथा चाचा हेमंत व प्रदीप ने कहा कि समाज के लोगों को लड़का-लड़की को बराबर सम्मान देना चाहिए। आज के डिजिटल युग में लड़कियां देश-विदेश में लड़कों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर परिवार का नाम रोशन कर रही है। सामाजिक संस्था नौजवान भारत सभा के संयोजक कामरेड पूरणमल मुद्गिल ने परिवार की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि अब शहर के साथ गांवों में भी बेटियों का घोड़ी पर बनवारा निकाल कर मान बढ़ाया जा रहा है। इस मौके पर गांव के अनेक प्रबुद्धजन मौजूद थे।

### जरूरतमंद की मदद ही सच्ची परमात्मा पूजा: अरुण गुप्ता

■ पंजाबी धर्मशाला में संस्कार निर्माण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते आयोजक।

रविवार को पंजाबी धर्मशाला में हमारा परिवार संस्था की ओर से संस्कार निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि जेपीएस के प्रधान सीए मोहित जैन, शिक्षाविद् प्रो सीएल सोनी, आशियाना वृद्धाश्रम के प्रधान दिनेश राजपाल व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि जब किसान ने अपने खेत में गेहूं, धान व सरसों का बीज बोता है तो उसे विश्वास रहता है कि फसल कई गुणा होकर मिलेगी। यही बात इंसान के कर्मों के लिए लागू होती है। इंसान ने जीवन में जो भी कर्म किए है, वो एक दिन जरूर भोगने पडेंगे। यदि इंसान ने निःस्वार्थ भाव से किसी जरूरतमंद की मदद की है तो परमात्मा के नियमानुसार उसे वो अच्छाई कई गुणा होकर वापस मिलती है। संस्था के प्रधान अरुण गुप्ता, शिक्षाविद डा. बलबीर अग्रवाल व समाजसेवी आदर्श राजपाल ने कहा कि सनातन धर्म का मूल भाव है कि जीवमात्र में परमात्मा निवास करते है। किसी जरूरतमंद की मदद करना ही साक्षात परमपिता परमात्मा की पूजा है। संस्था की महिला संयोजक शशि जुनेजा, शिक्षाविद् मधु गुप्ता व डा. नीरू वर्मा ने कहा कि कहा कि बच्चों को अच्छे संस्कार मिलेंगे तो परिवार का वातावरण खुशहाल बनेगा। इस मौके पर हैल्थ एंड वैलनेस कोच कंचन अदलखा ने गर्मी के मौसम में स्वस्थ रहने के उपयोगी टिप्स दिए। कार्यक्रम में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए समाजसेवी धीरज शर्मा जांगड़ा, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के कृष्ण कुमार, समाजसेवी राजेन्द्र गेरा, दयानंद आर्य, रंगकर्मी विजय शर्मा, उपप्रधान हेमंत ग्रोवर व कुलदीप सोनी को सममानित किया गया।

### ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डा. देवेन्द्र कुमार, समाजसेवी प्रमोद सैनी, रोहित गेरा, कपिल कपूर, पूर्वांशी, ओजस्वी, प्रीती, सोनिया कपूर व सुदर्शन मेहंदीरत्ता सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8295554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

| साईज | संस्करण | विशेष छूट राशि |
|---|---|---|
| 5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 1500/- रु. 2000/- |

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

## टिकट नहीं मिलने के बाद बागी हुई भांडोरिया ने कहा, कैप्टन अजय का आशीर्वाद उनके साथ

# चुप रहकर खामोशी से... 'एंटी राव' खेमा चुनाव से दूर भांडोरिया के बयान से कांग्रेस खेमे में बढ़ी हलचल

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। नगर परिषद कार्यालय। फोटो : हरिभूमि

नगर परिषद और धारूहेड़ा नगर पालिका चुनावों में प्रचार का दौर 28 अप्रैल को नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने और निर्दलीय प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित होने के साथ ही जोर पकड़ लेगा। भाजपा में इस बार 'एंटी राव' खेमे से जुड़े नेताओं की चुप्पी अभी तक नहीं टूटी है। यह खेमा इस बार पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ खुलकर मैदान में आने की बजाय गुपचुप तरीके से नुकसान पहुंचाने की नीति को अंजाम दे सकता है। वहीं कांग्रेस से बागी होकर चुनाव मैदान में उतरी शकुंतला भगवाड़िया ने पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव का 'आशीर्वाद' उनके साथ होने की बात कहकर कांग्रेस खेमे में हलचल पैदा कर दी है। नगर पालिका से ज्यादा नगर परिषद की राजनीति में गर्माहट देखने को मिल रही है। वर्ष 2014 से लेकर अभी तक भाजपा में एक खेमा ऐसा है, जिसकी राजनीति केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के विरोध पर आधारित है। इस खेमे को वर्ष 2019 के विधानसभा चुनावों में राव समर्थित भाजपा प्रत्याशी सुनील मुसेपुर का विधानसभा में पहुंचने का रास्ता जरूर रोक दिया था, परंतु अन्य चुनावों में उनका विरोध असरदार साबित नहीं हो पाया। नगर परिषद के वर्ष 2020 के चुनावों में जब राव ने पूनम यादव को टिकट दिलाई, तो उनके विरोधी खेमे से जुड़े नेताओं ने एकजुट होकर भाजपा प्रत्याशी को हराने में ताकत झोंक दी थी। 'टीम राव' ने चुनाव मैदान में विरोधी खेमे से अधिक पसीना बहाते हुए पूनम यादव को 'गुटबाजी' के वार से सुरक्षित बाहर निकाल दिया था। भाजपा में एक बार फिर हालात वही बन सकते हैं, परंतु इस बार विरोधी खेमा खुलकर मैदान में नहीं आया है। राव समर्थित प्रत्याशी को हराकर उन्हें बड़ा झटका देने के लिए यह खेमा गुपचुप तरीके से अपनी रणनीति को अंजाम दे सकता है, ताकि राव और उनकी टीम को पार्टी प्रत्याशी के लिए ज्यादा मेहनत के लिए तैयार होने का मौका नहीं दिया जा सके। पार्टी में गुटबाजी की बात से वरिष्ठ नेता स्पष्ट तौर पर इनकार कर रहे हैं, परंतु ऐसा कहने वाले कुछ नेताओं की 'नीयत' में खोट को राव समर्थक जहन में उतार चुके हैं। राव से हर मौके पर 'मात' खा चुके विरोधी खेमे के कई नेता अंदरखाने अपनी रणनीति को सिरे चढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे।

### प्रत्याशी की हार में विरोधियों की जीत

वर्ष 2019 में जब पार्टी प्रत्याशी सुनील मुसेपुर को मामूली मतों से हार का सामना करना पड़ा था, तो यह केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के लिए राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा झटका माना गया था। चुनाव परिणाम घोषित होते ही राव विरोधी खेमे से जुड़े नेताओं ने हार का खुलकर जश्न मनाया था। राव ने इन नेताओं को 'जयचंद' का दर्जा देते हुए भाजपा हाईकमान से कार्रवाई की मांग तक कर डाली थी, लेकिन पार्टी ने कोई खास एक्शन नहीं लिया था।

### कांग्रेसी खेमे में भांडोरिया से हलचल

नामांकन वापस लिए जाने से पहले कांग्रेस से बागी हुई शकुंतला भगवाड़िया को मनाने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि कांग्रेस एकजुट होकर भाजपा प्रत्याशी को मात देने में कामयाब हो सके। भांडोरिया ने अपने निर्णय पर अडिग रहने का दावा करते हुए पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव के आशीर्वाद की बात कहकर हलचल पैदा कर दी है। कैप्टन पार्टी के प्रति भांडोरिया की निष्ठा पर सवाल उठाकर नेहारिका को जिताने में लग चुके हैं।

### जीत की रणनीति पर लग चुकी टीम

राव इन्द्रजीत सिंह समर्थित विनीता पीपल की टिकट फाइनल होने के साथ ही एक ओर जहां भाजपा की जिला इकाई की ओर से उन्हें जीत दिलाने की दिशा में रणनीति बनाना शुरू कर दिया है, तो राव के 'खास समर्थक' उनके विनीता को टिकट दिलाने के निर्णय को सही साबित करने की दिशा में आवश्यक कदम उठा रहे हैं। राव विनीता का चुनाव प्रचार शुरू कराने के लिए जल्द मैदान में आ सकते हैं। उनके मैदान में आते ही असली चुनावी जंग शुरू होगी।

### एएम टीम फाउंडेशन की नई कार्यकारिणी गठित राहुल राठौर बने प्रधान

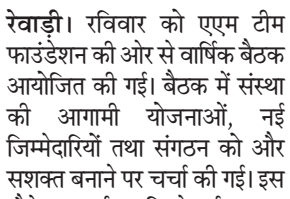

रेवाड़ी। रविवार को एएम टीम फाउंडेशन की ओर से वार्षिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संस्था की आगामी योजनाओं, नई जिम्मेदारियों तथा संगठन को और सशक्त बनाने पर चर्चा की गई। इस मौके पर सर्वसम्मति से वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस मौके पर राहुल राठौर को एएम टीम फाउंडेशन का नया प्रधान नियुक्त किया गया। वहीं सूरज को उप प्रधान, शम्मी को सेक्रेटरी, माल्या को ज्वाइंट सेक्रेटरी, अनुराधा सैनी को कोषाध्यक्ष, रिंकू यादव और आलोक को एजुकेशन एवं ट्रेनिंग प्रभारी, कृपाल और प्रशांत पारिक को पब्लिक रिलेशन प्रभारी, हेमंत सैनी को गो एवं पशु रक्षा प्रभारी, यतीश सिंहल को आईटी एवं सोशल मीडिया प्रभारी तथा धवल को यूथ वेलफेयर प्रभारी नियुक्त किया गया। साथ ही संस्था के विशेष अभियान मिशन लाल रंग के अंतर्गत ज्योति गुप्ता को प्रेसीडेंट तथा गीतिका को वाइस प्रेसीडेंट की जिम्मेदारी सौंपी गई।